वर्ष 1 · अंक 09
जयपुर, रविवार, 4 अक्टूबर 2026
सप्ताह 28 सितम्बर – 4 अक्टूबर 2026

The Consulting Crew
GST · इनकम टैक्स · ROC · पेरोल · सलाह
क्लाइंट्स और दोस्तों के लिए मुफ़्त

THE CONSULTING CREW

आज के समाचार

BUSINESS WEEKLY

हर खबर जो आपके बिज़नेस के काम आए

रेपो रेट	टैक्स ऑडिट	ITR (ऑडिट)	निफ्टी 50	सेंसेक्स	ब्रेंट
5.25%	21 Oct	21 Nov	22,421.95	71,909.70	$102.70
MPC का फ़ैसला 7 अक्तूबर	30 सितम्बर से बढ़ी	31 अक्तूबर से बढ़ी	▼ -3.1%, आठवाँ घाटे का हफ़्ता	▼ हफ़्ते में -2.7%	▲ $100 के ऊपर, रुपया 96.96 के पास

इस अंक में

1 टैक्स 2 टैक्स 3 GST 4 क्रेडिट 5 बाज़ार 6 व्यापार 7 राजस्थान 8 संदर्भ + ज़रूरी तारीख़ें

बड़ी खबर · टैक्स

अगले ही दिन extension आ गया। हमने कहा था नहीं आएगा

ऑडिट रिपोर्ट अब 21 अक्तूबर को और return 21 नवंबर को। इस अख़बार ने रविवार को उलटा कहा था, और सोमवार को जवाब मिल गया।

टैक्स ऑडिट रिपोर्ट AY 2026-27 · s.44AB · अब 21 अक्तूबर 2026

यह हमसे ग़लत हुआ, और सुधार को footnote में नहीं, पहले पन्ने पर रखना ही ठीक है। 27 सितम्बर के पिछले अंक की बड़ी खबर यही थी कि extension नहीं आ रहा और section 44AB की रिपोर्ट 30 सितम्बर को देनी है। **CBDT ने 28 सितम्बर को जवाब दे दिया** — अगले ही दिन। एक press release से ऑडिट रिपोर्ट देने की निर्धारित तारीख़ 30 सितम्बर से **21 अक्तूबर 2026** कर दी गई, और उन मामलों की आय की return की तारीख़ 31 अक्तूबर से **21 नवंबर 2026**। यह section 139(1) के Explanation 2 के नीचे की तालिका के क्रमांक 2 वालों पर लागू है — कंपनियाँ, जिनके खाते का ऑडिट ज़रूरी है, और ऐसी फ़र्मों के partner। बोर्ड ने कहा कि इसे लागू करने वाला औपचारिक आदेश अलग से आएगा।

हमने जो तथ्य दिए वे सही थे, नतीजा ग़लत था — और समझने लायक़ आधा हिस्सा यही है। शुद्ध direct tax वसूली वाक़ई **12.96%** ऊपर थी और advance tax **16.18%**; extension वाक़ई तब आए हैं जब portal बंद पड़ा हो या कोई आपदा काम रोक दे — काम के बोझ पर नहीं। उस तर्क को यह नहीं दिखा कि बोर्ड को तर्क अच्छा होने की ज़रूरत नहीं है — extension से उसे तीन हफ़्ते का float जाता है और filing के मौसम में शांति मिलती है, और यह सौदा वह बिना सफ़ाई दिए कर लेता है। तो ईमानदार सबक़ दोनों तरफ़ का है: योजना क़ानूनी तारीख़ पर बनाइए, क्योंकि वही एक तारीख़ आपके हाथ में है, और extension को मिली हुई मोहलत मानिए, योजना नहीं। और वह मत कीजिए जिसमें पिछले हफ़्ते extension की ग़ैरमौजूदगी ने हमें फँसाया — किसी client से यह कहना कि सवाल तय हो गया।

दो चीज़ें extension छूता ही नहीं, और दोनों पर लोग फँसते हैं। **transfer pricing इसमें नहीं है।** जहाँ section 92E लागू है, Form 3CEB में accountant की रिपोर्ट **31 अक्तूबर 2026** को और return **30 नवंबर 2026** को ही देनी है — press release ने क्रमांक 2 को लिया, transfer pricing वाली प्रविष्टि को नहीं; तो जिस समूह का कोई international transaction है उसे कुछ नहीं मिला और अब दोनों में मुश्किल तारीख़ उसी की है। और भरने के इकतीस दिन ज़्यादा मिलने का मतलब चुकाने के इकतीस दिन ज़्यादा नहीं है: section 234A के ब्याज का extension के साथ अपना इतिहास है, और अगला कॉलम उसी पर है।

आपको क्या करना है

इस हफ़्ते तीन काम। auditor से sign करने की तारीख़ लिखवा लीजिए — **21 अक्तूबर** के सामने, इस एहसास के सामने नहीं कि अब वक़्त है; तीन हफ़्ते जुड़े हैं, कोई पूरा मौसम नहीं। समूह में कहीं भी section 92E लागू होता है तो वह file सबसे आगे कर लीजिए, क्योंकि 31 अक्तूबर नहीं खिसकी। और आपका self-assessment tax ₹1 लाख पार करेगा तो चुकाने का वक़्त तय करने से पहले अगला कॉलम पढ़ लीजिए।

टैक्स · ब्याज

भरने के इकतीस दिन और मिले हैं, चुकाने के नहीं

s.234A · self-assessment tax · AY 2026-27

section 234A का ब्याज उस टैक्स पर चलता है जो return की तारीख़ आने तक बाक़ी हो — महीने या महीने के हिस्से पर 1%। हर extension पर सवाल यही उठता है कि वह किस तारीख़ से चलेगा — बढ़ी हुई से, या असली से। पहले के आम extension में CBDT ने इसे करदाता के ख़िलाफ़ एक ख़ास हालत में तय किया था: जहाँ self-assessment tax **₹1 लाख** से ऊपर था, 234A का ब्याज *असली* तारीख़ से ही चलता रहा, और extension ने सिर्फ़ भरने की तारीख़ खिसकाई।

इस बार वह छूट साथ आएगी या नहीं, यह अभी जाना नहीं जा सकता। CBDT ने 28 सितम्बर को press release से extension बताया और कहा कि लागू करने वाला आदेश अलग से आएगा; जब तक वह आदेश छपता नहीं, सुरक्षित मान्यता महँगी वाली ही है। इससे अगले छह हफ़्तों का साफ़ नियम बनता है: **चुकाइए असली तारीख़ पर, भरिए नई तारीख़ पर।** AY 2026-27 का आपका self-assessment tax ₹1 लाख पार करने वाला हो तो उसे **31 अक्तूबर** तक जमा कर दीजिए और return **21 नवंबर** तक भरिए। पार नहीं करेगा तो वह सीमा आप तक नहीं पहुँचती और बढ़ी तारीख़ ही तारीख़ है।

उसी चिट्ठी में एक सीधी अच्छी खबर भी है। **section 271B अब 21 अक्तूबर से नापेगा**, तो अक्तूबर के पहले तीन हफ़्तों में sign हुई रिपोर्ट देर से नहीं, समय पर है — और जो 30 सितम्बर बिना रिपोर्ट निकल गए, वे चूक में ही नहीं हैं। हमारी सलाह पर पिछले हफ़्ते section 273B का reasonable cause वाला record बनाया हो तो file रख लीजिए; रखने में कुछ नहीं जाता और आदत सही है। इस साल उसे जवाब देने को कुछ नहीं है।

आपको क्या करना है

इस हफ़्ते अपने कैलेंडर में दोनों तारीख़ें अलग कर लीजिए, क्योंकि extension ने चुपचाप इन्हें महीने भर दूर कर दिया है: self-assessment tax ₹1 लाख पार करे तो पैसा **31 अक्तूबर** तक बाहर, return **21 नवंबर** तक अंदर। पहले चुकाने पर तीन हफ़्ते की नक़दी का इस्तेमाल जाता है। देर से चुकाने पर, छूट बची रह गई तो, पूरी रक़म पर महीने का 1% जाता है — और यह आदेश छपने तक पता नहीं चलेगा।

ज़रूरी तारीख़ें

अक्तूबर – नवंबर 2026

7 अक्टू — **4 दिन बाकी**
TDS जमा
सितम्बर का — और उसी दिन MPC तथा GST काउंसिल, दोनों बोलेंगे

11 अक्टू — 8 दिन बाकी
GSTR-1
सितम्बर, मासिक भरने वाले

12 अक्टू — 9 दिन बाकी
सितम्बर CPI · RIICO सीधा आवंटन बंद
CPI शाम 4 बजे; RR MoU की खिड़की शाम 6 बजे बंद

13 अक्टू — 10 दिन बाकी
RIICO ई-नीलामी EMD
नीलामी के हिसाब से 13 या 14 — अपनी पक्की कर लें

15 अक्टू — 12 दिन बाकी
TCS return — दूसरी तिमाही
जुलाई से सितम्बर

18 अक्टू — 15 दिन बाकी
CMP-08 — दूसरी तिमाही
composition वाले

20 अक्टू — 17 दिन बाकी
GSTR-3B
सितम्बर, मासिक भरने वाले

21 अक्टू — 18 दिन बाकी
टैक्स ऑडिट रिपोर्ट
CBDT ने 28 सितम्बर को 30 सितम्बर से बढ़ाई

31 अक्टू — 28 दिन बाकी
Form 3CEB — transfer pricing
नहीं बढ़ी। s.92E वाले पुरानी पटरी पर ही हैं

15 नव — 43 दिन बाकी
TDS प्रमाणपत्र — दूसरी तिमाही
deductee को Form 16A

21 नव — 49 दिन बाकी
ITR — ऑडिट वाले
31 अक्तूबर से बढ़ी। self-assessment tax ₹1 लाख पार करे तो भुगतान 31 अक्तूबर तक

30 नव — 58 दिन बाकी

ITR — transfer pricing
s.92E वाले मामले

ये आम तारीख़ें हैं। सरकार आगे बढ़ाए तो अगले अंक में बता देंगे। टर्नओवर और राज्य के हिसाब से फ़र्क़ पड़ता है — भरोसा करने से पहले एक बार पूछ लीजिए।

सारी तारीख़ें कैलेंडर में डालें

TCC की सलाह

इस हफ़्ते ये तीन काम कर लीजिए

1. **तारीख़ बदलिए, ढीले न पड़िए।** ऑडिट पर sign की तारीख़ **21 अक्तूबर** के सामने लिखवा लीजिए, और उसे उन दो तारीख़ों से अलग रखिए जिन्हें extension ने छुआ ही नहीं — जहाँ s.92E लागू है वहाँ **31 अक्तूबर** को Form 3CEB, और self-assessment tax ₹1 लाख पार करे तो **31 अक्तूबर** तक उसका भुगतान।

2. बुधवार से पहले हर floating कर्ज़ की **reset तारीख़** निकालिए और बाक़ी रक़म के सामने लिख लीजिए। MPC 25 आधार अंक बढ़ाए तो वह आपकी EMI तक उसी तारीख़ पर पहुँचेगा, 7 अक्तूबर को नहीं — और साल का हिसाब लगाने के लिए बस वही एक आँकड़ा चाहिए।

3. **RIICO की earnest money का इंतज़ाम इसी हफ़्ते कीजिए।** RR MoU वालों का सीधा आवंटन **12 अक्तूबर शाम 6 बजे** बंद होता है और नीलामी की EMD **13 या 14 अक्तूबर** को पड़ती है — अपनी नीलामी के लिए कौन सी, यह पक्का कर लीजिए। एक भूखंड पर दस बोलीदार हों तो हारते वही हैं जो पैसे का इंतज़ाम ही कर रहे होते हैं।

GST · काउंसिल

बुधवार को काउंसिल उस credit पर बैठेगी जो आपको रखने नहीं दी जाती

57वीं GST काउंसिल · 7 अक्तूबर 2026 · नई दिल्ली

GST काउंसिल की 57वीं बैठक 7 अक्तूबर को नई दिल्ली में है — 12 सितम्बर से खिसकाकर। खबरें एक सुर में कहती हैं कि यह दरों की नहीं, तरीक़ों की बैठक है; और जिस कारोबार की working capital credit में फँसी है, उसके लिए यह दर घटने से भी ज़्यादा मायने रख सकती है। एजेंडे में दो चीज़ों पर नज़र रखिए।

पहली, **section 17(5)** — उस credit की सूची जिसका पैसा आप देते हैं और लेने नहीं पाते। खबर है कि काउंसिल motor vehicle, खाने-पीने, beauty और health services, club membership तथा travel benefit पर रोक ढीली करने पर देख रही है, और एजेंडा अब **insurance और product sample** की credit तक फैल गया है — ये दोनों राजस्थान के लगभग हर निर्माता और व्यापारी के खाते में बैठे हैं। साथ में क़ानूनी तौर पर भारी हिस्सा: सुप्रीम कोर्ट के **Safari Retreats** वाले फ़ैसले और Finance Act 2025 के construction तथा works contract पर किए गए पिछली तारीख़ से संशोधन के बाद blocked credit को तर्कसंगत बनाना — जहाँ कारोबार उस credit के साथ अटके हैं जो अदालत ने दी और संशोधन ने वापस ले ली।

दूसरी, **जिसने चुकाया उस ख़रीदार की हिफ़ाज़त।** खबरों के मुताबिक़ एजेंडे में सच्चे recipient की हिफ़ाज़त है, और साथ में registration, invoice matching, रद्दीकरण तथा टाले जा सकने वाले विवाद घटाना। यही हर MSME की ढाँचागत शिकायत है जिसकी credit supplier के न भरने से गई: टैक्स चुकाया गया था, invoice सच्चा था, और नुक़सान उस पर पड़ा जिसके पास रोकने का कोई रास्ता नहीं था। यहाँ कुछ भी अभी क़ानून नहीं है, और काउंसिल का एजेंडा अधिसूचना नहीं होता। मगर आपके लिए इसकी क़ीमत का हिसाब बुधवार के बाद नहीं, पहले किया जा सकता है।

क्रेडिट · ब्याज दरें

बुधवार को ब्याज का चक्र पलट सकता है — 2023 के बाद पहली बार

MPC 5–7 अक्तूबर 2026 · रेपो 5.25% · फ़ैसला बुधवार

Monetary Policy Committee **5 से 7 अक्तूबर** तक बैठती है और बुधवार को ऐलान करती है। रेपो दर लगातार चार समीक्षाओं से **5.25%** है, 2025 में **125 आधार अंक** की कटौती के बाद। पिछली चार बैठकों से यह इसलिए अलग है कि सवाल अब यह नहीं है कि ठहराव चलता रहेगा या नहीं, बल्कि यह कि वह पलटेगा या नहीं: बढ़ोतरी **फ़रवरी 2023 के बाद पहली** होगी।

सर्वे एक ही तरफ़ झुके हैं। Business Standard के सर्वे वाले अर्थशास्त्री **25 आधार अंक बढ़ाकर 5.50%** की उम्मीद रखते हैं, और 18 से 28 सितम्बर के बीच हुए Reuters सर्वे में भी लगभग **60%** लोग इसी पर थे। वजहें सब एक दिशा में हैं और उनमें घरेलू मांग एक भी नहीं है। अगस्त में **CPI महँगाई 4.82%** रही, जुलाई के 4.45% के मुक़ाबले, और खाने-पीने की **5.95%**। 2 अक्तूबर को **Brent $102.70** था, अब कुछ समय से $100 के ऊपर। और रुपया अपने सबसे निचले स्तर **96.96** के बिलकुल पास चल रहा है, जो तेल का भाव बाक़ी हर चीज़ में आयात कर देता है। कई बड़े केंद्रीय बैंक पहले ही चल पड़े हैं।

कर्ज़ लेने वाले के लिए आँकड़े से ज़्यादा तरीक़ा मायने रखता है। रेपो से जुड़ा कर्ज़ ऐलान के दिन नहीं बदलता; वह अपनी **reset तारीख़** पर बदलता है, जो तीन महीने दूर हो सकती है, और तब EMI बैंक की मर्ज़ी से — अवधि बढ़ाकर या किस्त बढ़ाकर — बदलती है। यही वह मौक़ा भी है जब बाज़ार का सबसे सस्ता कर्ज़ महँगा होता है: **सूक्ष्म और लघु उद्यमों** को बैंक कर्ज़ साल भर में **22.6%** बढ़ा और मध्यम उद्यमों को **30.5%** — तो हाल में लिया गया बहुत-सा MSME कर्ज़ उन floating दरों पर बैठा है जो कटौती के दौर में तय हुई थीं।

आपको क्या करना है

बुधवार से पहले एक सूची निकाल लीजिए: इस वित्त वर्ष में section 17(5) में आपने जो भी credit बट्टे खाते डाली, मद के हिसाब से अलग-अलग — गाड़ी, खाने-पीने, health और beauty, club, travel, insurance, sample, construction। काउंसिल किसी मद में ढील दे तो पहले ही दिन पता होगा कि क़ीमत क्या है और return सुधारने लायक़ है या नहीं। supplier की चूक से गई credit अलग रखिए — invoice और भुगतान के सबूत के साथ: वही file आपके व्यापार संगठन को अगले महीने नहीं, इसी हफ़्ते चाहिए।

आपको क्या करना है

बुधवार से पहले अपने हर floating कर्ज़ की **reset तारीख़** निकालिए और बाक़ी रक़म के सामने लिख लीजिए — बढ़ोतरी आप तक उसी तारीख़ पर पहुँचती है, 7 अक्तूबर को नहीं; और साल पर 25 आधार अंक का असर जानने के लिए बस वही एक चीज़ चाहिए। बैंक से लिखवाकर पूछिए कि reset अवधि पर लगेगा या किस्त पर; लंबे कर्ज़ में, जब अवधि ख़त्म होने को हो, अवधि वाला जवाब चुपचाप भारी पड़ता है। और इस तिमाही term loan लेने की सोच रहे थे तो सस्ता सिरा अब है, बुधवार के बाद नहीं।

व्यापार · भारत–अमेरिका

अमेरिकी व्यापार प्रमुख कहते हैं — जल्दी नहीं। और यह भी, कि आख़िरी दौर है

USTR जेमीसन ग्रीयर · 2 अक्तूबर 2026 · निर्यात पर 10% शुल्क

दो अंक पहले इस अख़बार ने लिखा था कि “लगभग हो गया” और “हस्ताक्षर हो गए” एक बात नहीं है। **2 अक्तूबर** को अमेरिकी व्यापार प्रतिनिधि जेमीसन ग्रीयर ने कहा कि भारत के साथ समझौता **“जल्दी नहीं”** है — और यह भी कहा कि बातचीत **आख़िरी दौर** में है, बातचीत करने वाले काफ़ी क़रीब आ गए हैं और बाक़ी अड़चनों पर काम हो रहा है। इन दोनों हिस्सों में जानकारी है। दूसरा कहता है कि समझौते का ढाँचा मौजूद है; पहला कहता है कि उसके आने पर तिमाही की योजना नहीं बनाई जा सकती।

इसके आसपास का ढाँचा भी हिला। हफ़्ते के शुरू में **मोदी और ट्रंप की फ़ोन पर बात** हुई, जिसे सकारात्मक बताया गया, और प्रगति देखने के लिए एक और बात की उम्मीद है; वाणिज्य मंत्री **पीयूष गोयल** ने मक़सद यह बताया है कि दोनों के फ़ायदे वाला **अंतरिम** समझौता जल्दी पूरा हो — और ‘अंतरिम’ ही असली शब्द है, साल के शुरू में जिस व्यापक समझौते की बात थी उससे यह छोटा है। अड़चनें वही हैं और दोनों तकनीकी नहीं, राजनीतिक हैं: वॉशिंगटन के लिए भारत का **रूसी तेल** ख़रीदना जारी रखना; दिल्ली के लिए **खेती** के राजनीतिक रूप से नाज़ुक हिस्सों की हिफ़ाज़त और वे तरजीही शुल्क बचाए रखना जो उसे मुक़ाबले के दूसरे आपूर्तिकर्ताओं से आगे रखते हैं।

इस बीच आपके invoice पर जो दर असल में लगती है वह **10%** है। भाव उसी पर देना है, और कई महीनों से उसी पर देना था — सुर्ख़ियाँ चाहे जो कहती रहीं। जिस निर्यातक ने बेहतर landed cost की उम्मीद में अमेरिका का ऑर्डर रोके रखा है, उस उम्मीद का भाव अब सामने वाले के ही व्यापार प्रमुख ने लगा दिया है।

> **आपको क्या करना है**
>
> भाव **10%** पर दीजिए, और राहत आए तो उसे मुनाफ़े में नहीं, price-revision clause में रखिए। दो वाक्य बहुत हैं: कि दिया गया भाव ऑर्डर की तारीख़ को लागू शुल्क मानकर है, और सरकारी बदलाव के तय दिनों के भीतर कोई भी पक्ष भाव पर दोबारा बात माँग सकता है। इससे नीति की सुर्ख़ी अनुबंध की शर्त बन जाती है — और आपके काम की वह इसी एक रूप में है।

बाज़ार · निवेश का बहाव

आठवाँ घाटे का हफ़्ता, और इस बार घरेलू पैसा पूरा नहीं पड़ा

1 अक्तूबर 2026 तक का हफ़्ता · निफ्टी 22,421.95 · सेंसेक्स 71,909.70

निफ्टी 50 बंद हुआ 22,421.95 पर — हफ़्ते में 23,140.50 से **3.1%** नीचे — और **सेंसेक्स 71,909.70** पर, 73,895.74 से **2.7%** नीचे। यह **लगातार आठवाँ घाटे का हफ़्ता** है — करीब पच्चीस साल में सबसे लंबा सिलसिला — और यह **चार कारोबारी दिनों** में हुआ, क्योंकि शुक्रवार **2 अक्तूबर** को गांधी जयंती पर एक्सचेंज बंद थे। वजहें बताई गईं: रुपये की तेज़ गिरावट, विदेशी पैसे का लगातार निकलना, bond yield का चढ़ना, $100 के ऊपर कच्चा तेल और औसत से कम मानसून।

असली फ़र्क़ पैसे के बहाव में है, और यहीं यह हफ़्ता पिछले सात से अलग हो जाता है। विदेशी संस्थाओं ने शुद्ध **₹34,966 करोड़** बेचे — बिकवाली का लगातार सातवाँ हफ़्ता, और पिछले हफ़्ते के ₹11,490 करोड़ का तीन गुना। घरेलू संस्थाओं ने शुद्ध **₹33,455 करोड़** ख़रीदे — किसी भी पैमाने पर बहुत बड़ी रक़म, और फिर भी बिकवाली से **₹1,511 करोड़ कम**। सात हफ़्ते यह अख़बार लिख सका कि घरेलू पैसा विदेशी निकासी सोख भर नहीं रहा, उस पर भारी पड़ रहा है। इस हफ़्ते नहीं पड़ा — और इस पूरे सिलसिले में यह पहला हफ़्ता है जब फ़र्क़ सूचकांक को भाव में भरना पड़ा।

किसी एक से नतीजा निकालने से पहले दोनों आँकड़े साथ रखिए। आठ हफ़्ते की गिरावट निफ्टी को लगभग 23,800 से 22,421.95 पर लाई है — 6% से भी कम; यह टूटना नहीं, धीरे-धीरे घिसना है, और धीमा होने की वजह घरेलू ख़रीद ही है। इस हफ़्ते जो बदला वह दिशा नहीं, *फ़ासला* है — और उसी फ़ासले पर नज़र रखनी है जब **सोमवार 5 अक्तूबर** को कारोबार MPC वाले हफ़्ते में दोबारा खुलेगा: गिरते रुपये में दर बढ़ाने वाला केंद्रीय बैंक विदेशी बेचने वाले को बेचने की एक वजह कम देता है, और घरेलू ख़रीदार को रुकने की एक वजह ज़्यादा।

आपको क्या करना है

अगर आप कारोबार चलाते हैं, portfolio नहीं, तो आप तक सूचकांक नहीं — रुपया पहुँचता है। **96.96** के आसपास हर डॉलर वाली लागत — तेल, resin, electronics, डॉलर में बुक हुआ भाड़ा — रुपये में उससे ज़्यादा पड़ती है जितनी आपके दाम तय होते वक़्त थी। देख लीजिए कि आपके सप्लाई अनुबंध में currency clause है या नहीं और वह अगली बार कब लगेगा; और उधार पर आयात करते हैं तो अगला ऑर्डर पिछली तिमाही के भाव पर नहीं, आज के भाव पर लगाइए।

बाज़ार

1 अक्तूबर 2026 तक का हफ़्ता · चार कारोबारी दिन

सूचकांक	बंद भाव	हफ़्ता
Nifty 50	22,421.95	−3.1%
Sensex	71,909.70	−2.7%

लगातार **आठवाँ** घाटे का हफ़्ता — करीब पच्चीस साल में सबसे लंबा सिलसिला — और यह सिर्फ़ **चार कारोबारी दिनों** में हुआ, क्योंकि शुक्रवार **2 अक्तूबर** को गांधी जयंती पर एक्सचेंज बंद थे। निफ्टी गुरुवार को **22,421.95** पर बंद हुआ, हफ़्ते में **3.1%** नीचे, और सेंसेक्स **71,909.70** पर, **2.7%** नीचे; वजहों में रुपये की तेज़ गिरावट, विदेशी निकासी, bond yield का चढ़ना, $100 के ऊपर कच्चा तेल और औसत से कम मानसून — सब गिनाए गए। खबर बंद भाव नहीं, पैसे का बहाव है। विदेशी संस्थाओं ने शुद्ध **₹34,966 करोड़** बेचे — बिकवाली का लगातार सातवाँ हफ़्ता, और पिछले हफ़्ते के ₹11,490.03 करोड़ का तीन गुना — जबकि घरेलू संस्थाओं ने शुद्ध **₹33,455 करोड़** ख़रीदे। यह बहुत बड़ी घरेलू ख़रीद है और फिर भी बिकवाली से **₹1,511 करोड़ कम** है। सात हफ़्ते घरेलू ख़रीदार विदेशी बेचने वाले पर भारी पड़ा — इसीलिए आठ हफ़्ते की गिरावट ने सूचकांक से 6% से कम लिया। इस सिलसिले में यह पहला हफ़्ता है जब ऐसा नहीं हुआ — और बाज़ार अब सोमवार को ऐसे शुक्रवार के बाद खुलेगा जिसमें वह बंद रहा और Brent **$102.70** पर छूटा।

राजस्थान · RIICO

RIICO ने और 500 भूखंड खोले, और जमा की तारीख़ें पहले बंद होंगी

ई-नीलामी · EMD 13 और 14 अक्तूबर तक · सीधा आवंटन 12 अक्तूबर तक

RIICO ने अपने औद्योगिक क्षेत्रों में **500 से ज़्यादा भूखंड** ई-नीलामी से आवंटन के लिए रखे हैं — पूरी श्रेणियों में: औद्योगिक, व्यावसायिक, logistics, आवासीय, group housing, अस्पताल और nursing home, kiosk, स्कूल, दुकान और पेट्रोल पंप। नीलामी के हिसाब से earnest money जमा करने की आख़िरी तारीख़ें **13 और 14 अक्तूबर 2026** हैं।

इसके साथ-साथ **सीधा आवंटन नीति का 14वाँ चरण** चल रहा है — 28 सितम्बर से खुला और **12 अक्तूबर 2026 को शाम 6 बजे** बंद — जिसमें RR MoU वाले बोली लगाने के बजाय सीधे भूखंड के लिए आवेदन करते हैं। Rising Rajasthan में MoU किया है और उसे ज़मीन में नहीं बदला, तो दोनों में छोटी खिड़की यही है और सोमवार शाम बंद हो जाती है।

दिलचस्पी काग़ज़ी नहीं है। RIICO की अविकसित और अर्ध-विकसित भूखंडों की नीलामी में **12 भूखंडों के लिए 128 उद्यमियों ने बोली लगाई** — हर भूखंड पर दस से ज़्यादा आवेदक; इससे दो बातें पता चलती हैं — सही जगह की ज़मीन कम है, और हल्के मन से लगाई बोली जीतती नहीं। पिछले पखवाड़े इस कॉलम ने कहा था कि लोग बोली की तारीख़ से नहीं, जमा की तारीख़ से बाहर होते हैं। यह दो बार कहने लायक़ है: **EMD की तारीख़ें 13 और 14 अक्तूबर हैं**, और नीलामी के दिन की कोई भी तैयारी देर से गई जमा-राशि की भरपाई नहीं करती।

> **आपको क्या करना है**
>
> डायरी में दो तारीख़ें, और दोनों नीलामी से पहले। RR MoU है और सीधा आवंटन चाहिए तो **12 अक्तूबर, शाम 6 बजे**; और जिस ई-नीलामी में उतर रहे हैं उसकी EMD के लिए **13 या 14 अक्तूबर** — अपनी नीलामी के लिए इनमें से कौन सी लागू है, यह पक्का कर लीजिए, क्योंकि फ़र्क़ नीलामी से है, इलाक़े से नहीं। earnest money का इंतज़ाम अगले हफ़्ते नहीं, इसी हफ़्ते कीजिए: एक भूखंड पर दस बोलीदार हों तो हारने वाले ज़्यादातर वही होते हैं जो पैसे का इंतज़ाम ही कर रहे थे।

स्टार्टअप की खबरें

28 सितम्बर – 2 अक्तूबर 2026

- **16 सौदों** में **$233.6 मिलियन** — पैसा हफ़्ते भर में **14.9%** ऊपर, मगर सौदों की गिनती **23.8%** नीचे। पैसा ज़्यादा, कंपनियाँ कम: यह उस बाज़ार की शक्ल है जो चुन-चुनकर लगा रहा है।
- एक चेक ही लगभग पूरा हफ़्ता था। EV बनाने वाली **Simple Energy** ने Series C में **$180 मिलियन** जुटाए — पूरे हफ़्ते के लगभग **77%** — और एक ही दौर ने cleantech को सूची में सबसे ऊपर पहुँचा दिया।
- उसके पीछे: घर के interior की **Gravity** ने proptech में **$15 मिलियन** लिए, agritech और fintech ने **$10.4 मिलियन** प्रत्येक, और edtech की **Arivihan** ने **$10.2 मिलियन**। गिनती में फिर ecommerce आगे — चार startup ने मिलकर $3.8 मिलियन — जबकि seed और pre-seed पतले रहे, चार सौदों में **$3.3 मिलियन**। हफ़्ते का सबसे सक्रिय निवेशक **Alteria Capital** रहा, तीन के साथ।

संदर्भ · आगे के हफ़्ते

एक बुधवार में तीन फ़ैसले, और अक्तूबर में पाँच तारीख़ें

7 अक्तूबर से 30 नवंबर 2026

बुधवार 7 अक्तूबर असामान्य रूप से भरा हुआ है। **MPC** रेपो दर पर फ़ैसला सुनाएगी, **57वीं GST काउंसिल** नई दिल्ली में blocked credit और तरीक़ों के सुधार पर बैठेगी, और उसी दिन **सितम्बर के TDS** जमा करने की तारीख़ भी है। तीन अलग बातें, एक ही कारोबार तक पहुँचती हुईं, एक ही दिन।

उसके बाद महीना खबरों से नहीं, तारीख़ों से चलता है। **11 अक्तूबर** GSTR-1। **12 अक्तूबर** को दो बातें एक साथ: MoSPI शाम 4 बजे **सितम्बर का CPI** जारी करेगा — वह पहला आँकड़ा जिस पर MPC के फ़ैसले को परखा जाएगा — और RIICO की सीधे आवंटन की खिड़की शाम 6 बजे बंद होगी। **13 और 14 अक्तूबर** RIICO की नीलामी में जमा की तारीख़ें। **15 अक्तूबर** दूसरी तिमाही की TCS return, **18 अक्तूबर** दूसरी तिमाही का CMP-08, **20 अक्तूबर** GSTR-3B।

पिछले अंक के बाद जो दो बदली हैं, वे महीना बंद करती हैं। **21 अक्तूबर टैक्स ऑडिट रिपोर्ट** की बढ़ी हुई निर्धारित तारीख़ है, और जहाँ section 92E लागू है वहाँ **Form 3CEB** की **31 अक्तूबर** जहाँ थी वहीं है — एक ही हफ़्ते में आसान नई तारीख़ और अछूती पुरानी, और ठीक ऐसी ही जोड़ी छूट जाती है। फिर **15 नवंबर** दूसरी तिमाही के TDS प्रमाणपत्र, **21 नवंबर** ऑडिट वालों की बढ़ी हुई ITR, और **30 नवंबर** transfer pricing वालों की return।

> **आपको क्या करना है**
>
> अक्तूबर के दोनों बुधवार डायरी में अलग-अलग तरह से लिखिए। **7 अक्तूबर** पढ़ने का दिन है, और उस दिन करने का काम बस TDS जमा करना है। **21 अक्तूबर** वह दिन है जिस तक काम ख़त्म होना चाहिए। बीच का सब कुछ वही filing है जो आप जानते हैं — और **12 अक्तूबर** अपनी अलग याद दिलाने लायक़ है, क्योंकि उस दोपहर दो अलग घड़ियाँ दो घंटे के फ़र्क़ से रुकती हैं।

इस हफ़्ते का सवाल

हर अंक में एक

“मेरे auditor ने 30 सितम्बर तक sign नहीं किया। पूरे हफ़्ते जुर्माने की चिंता रही। असल में मेरी हालत क्या है?”

आप चूक में नहीं हैं, और 1 अक्तूबर को भी नहीं थे। CBDT ने निर्धारित तारीख़ **28 सितम्बर** को — पुरानी तारीख़ से दो दिन पहले — बढ़ा दी, तो AY 2026-27 के लिए section 44AB की रिपोर्ट **21 अक्तूबर 2026** को देनी है। section **271B** खातों का ऑडिट कराकर रिपोर्ट *निर्धारित तारीख़ तक* न देने पर जुर्माना लगाता है — और निर्धारित तारीख़ अब 21 है। उसके आगे न निकलें तो जुर्माने के पकड़ने को कुछ नहीं है। तीन बातें फिर भी ध्यान माँगती हैं। पहली, sign करने की तारीख़ 21 अक्तूबर के सामने लिखवा लीजिए; तीन हफ़्ते जुड़े हैं, और किसी फ़र्म की पूरी ऑडिट सूची एक ही खिड़की में खिसक जाए तो यह जितना लगता है उससे कम वक़्त है। दूसरी, ऑडिट वालों की **return 21 नवंबर** हो गई, मगर आपका self-assessment tax **₹1 लाख** से ऊपर जाएगा तो उसे **31 अक्तूबर** तक जमा कर दीजिए — पहले के extension में CBDT ने उस सीमा से ऊपर section 234A का ब्याज असली तारीख़ से ही चलाए रखा था, और इस बार का औपचारिक आदेश इस अंक के निकलते वक़्त छपा नहीं था। तीसरी, समूह में कहीं भी section **92E** लागू है तो कुछ नहीं बदला: Form 3CEB अब भी 31 अक्तूबर को और return 30 नवंबर को। पिछले हफ़्ते section 273B के reasonable cause पर जो file बना रहे थे वह बेकार नहीं गई — आदत के तौर पर रख लीजिए — मगर इस साल उसे जवाब देने को कुछ नहीं है।

अपना सवाल भेजिए — हर अंक में एक का जवाब देते हैं

इकॉनमी एक नज़र में

रेपो रेट		5.25%
CPI (अगस्त)		4.82%
खाने-पीने की महँगाई	5.95%	सूचकांक को खींचने वाला हिस्सा
ब्रेंट कच्चा तेल	$102.70	2 अक्तूबर, जब भारतीय बाज़ार बंद थे
रुपया	~96.9/$	सबसे निचला स्तर 96.96
FII (हफ़्ता)		-₹34,966 cr
MSME बैंक कर्ज़		+22.6%
टैक्स ऑडिट रिपोर्ट	21 Oct	28 सितम्बर को बढ़ाई गई
ITR (ऑडिट वाले)		21 Nov

एक तारीख़ खिसकी, एक नहीं — और काम उन दोनों के बीच की दूरी में है।

इनमें से कोई खबर आप पर लागू होती है ?

बस एक मैसेज कीजिए। हम बता देंगे कि आप पर क्या लागू होता है, कब तक करना है, और किस बात की चिंता नहीं करनी। फिक्स्ड मंथली फीस, कोई लॉक-इन नहीं, नोटिस आया तो वो भी हम देखेंगे — जैसे 1,100+ MSME के साथ पहले से कर रहे हैं।

लोग हमारे पास क्यों आते हैं

- फिक्स्ड मंथली फीस — न छुपा चार्ज, न लॉक-इन
- सब कुछ WhatsApp पर। नोटिस आया तो वो भी हम देखेंगे।
- 7 दिन में books बंद, हर महीने P&L डैशबोर्ड

किसी कारोबारी के काम की है? आगे भेज दीजिए।

The Consulting Crew

theconsultingcrew.in
hello@theconsultingcrew.in
WhatsApp +919251022710
जयपुर · पूरे भारत में

हम क्या करते हैं

GST · इनकम टैक्स · TDS · ROC · पेरोल · CFO सलाह · कंपनी और LLP रजिस्ट्रेशन

अगला अंक

रविवार, 11 अक्टूबर 2026

पिछले अंक

हर अंक, मुफ़्त

THECONSULTINGCREW.IN

खबरें कहाँ से

extension — ऑडिट रिपोर्ट 21 अक्तूबर, ITR 21 नवंबर — ANI — CBDT extends ITR filing for audited taxpayers to 21 November, News on AIR — the 28 September announcement, TaxGuru — tax audit date extended to 21 October 2026, CAclubindia — both dates, and who is covered, India Briefing — the extension for tax-audit cases · extension ने क्या नहीं खिसकाया — s.92E और s.234A — TaxGuru — transfer pricing left out of the press release, TaxGuru — the relief explained, and its limits, TaxReply — 234A and self-assessment tax paid before the due date, MBG — transfer pricing filing deadlines · MPC की बैठक 5–7 अक्तूबर — Business Standard — MPC meets 5–7 October; will the repo rate rise?, Business Standard poll — 25 bps expected, to 5.50%, GoPocket — repo, inflation and the EMI outlook · महँगाई, कच्चा तेल और रुपया — India Inflation — CPI 4.82% in August 2026, Finnovate — August CPI, food near 6%, Trading Economics — Brent at $102.70 on 2 October, Paterson Capital — FPIs, crude and the rupee behind the selloff · 57वीं GST काउंसिल — 7 अक्तूबर — Whalesbook — Council to review blocked input tax credits on 7 October, TaxGuru — registration, ITC and process reforms in focus, JurisHour — the meeting postponed to 7 October 2026, Startup Advisory — what is actually on the agenda · बाज़ार — लगातार आठवाँ घाटे का हफ़्ता, और निवेश का बहाव — ETV Bharat — eighth consecutive week lower amid FII selling, Deccan Chronicle — the closes and the flows, Liquide — weekly review, 28 September to 2 October, Goodreturns — the week ahead, 5 to 9 October · भारत–अमेरिका — “जल्दी नहीं” — CNBC — Greer says a deal is not imminent after the Modi–Trump call, NewsBytes — the US trade chief's words, Tribune India — the MEA calls the discussions positive · RIICO — 500 भूखंड, और जमा की तारीख़ें — Udaipur Times — more than 500 RIICO plots up for e-auction, EMD 13 and 14 October, RIICO — the 14th Phase of the Direct Allotment Policy, Rising Rajasthan — industrial infrastructure · MSME कर्ज़ — IBEF — MSMEs outpacing retail as the engine of bank credit growth, India Law — the 2026 MSME credit reform, and the collateral-free limits, SME Communities — disbursements rise, access still uneven · स्टार्टअप फ़ंडिंग, 28 सितम्बर – 2 अक्तूबर — Inc42 — $233.6 million across 16 deals, led by Simple Energy, StartupTalky — the daily roundup, 28 September, YourStory — 29 September roundup

---

ज़रूरी सूचना। यह अख़बार The Consulting Crew अपने क्लाइंट और जान-पहचान वालों की जानकारी के लिए निकालता है। यह कोई कानूनी, टैक्स या निवेश की सलाह नहीं है, और इसे पढ़ने से हमारा-आपका क्लाइंट रिश्ता नहीं बनता। आँकड़े, दरें और तारीख़ें छपने के दिन तक की हैं और सरकार के नोटिफिकेशन से बदल सकती हैं। कुछ भी करने से पहले अपने केस के हिसाब से हमसे एक बार पूछ लीजिए। बाज़ार के आँकड़े सिर्फ़ जानकारी के लिए हैं, कोई शेयर खरीदने या बेचने की सलाह नहीं।